IAS GS World PCS

Committed To Excellence

DAILY CURRENT AFFAIRS ANALYSIS

(Pre+Mains) with MCQ

9 JUNE 2026

FOR PDF DOWNLOAD
GS WORLD LEARNING APP

1. BHAVYA पोर्टल: भारत के औद्योगिक विकास को नई गति

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में **BHAVYA (Bharat Audyogik Vikas Yojana) Portal** का शुभारंभ किया। इसके साथ ही केंद्र सरकार की **₹33,660 करोड़ की भारत औद्योगिक विकास योजना (BHAVYA)** का औपचारिक क्रियान्वयन शुरू हो गया है।

- इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य देशभर में **100 विश्वस्तरीय, निवेश-तैयार औद्योगिक पार्कों** का विकास करना है।

क्या है BHAVYA पोर्टल?

- BHAVYA पोर्टल एक अत्याधुनिक **सिंगल-विंडो डिजिटल मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म** है, जिसे भारत के नए औद्योगिक पार्कों की संपूर्ण विकास प्रक्रिया की निगरानी के लिए तैयार किया गया है। यह राज्य सरकारों द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने, निर्माण कार्य की वास्तविक समय (Real-Time) में निगरानी करने तथा निवेशकों को उपयुक्त औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य करेगा।
- इस पोर्टल का विकास **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के अंतर्गत किया गया है तथा इसका क्रियान्वयन **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (NICDC)** द्वारा किया जाएगा।

योजना का उद्देश्य

- BHAVYA योजना का मुख्य लक्ष्य देश में विनिर्माण (Manufacturing) क्षेत्र को प्रोत्साहित करना तथा घरेलू एवं विदेशी निवेशकों को बेहतर औद्योगिक अवसंरचना उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत विकसित किए जाने वाले औद्योगिक पार्कों में **प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं** से युक्त औद्योगिक भूखंड उपलब्ध होंगे, जिससे उद्योगों की स्थापना में लगने वाला समय और लागत कम होगी।
- यह योजना भूमि अधिग्रहण एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियों जैसी पारंपरिक बाधाओं को कम कर बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी।

योजना की प्रमुख विशेषताएँ

1. चुनौती आधारित चयन प्रणाली

- राज्यों को धनराशि स्वतः नहीं मिलेगी। उन्हें BHAVYA पोर्टल पर **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR)** प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें भूमि उपलब्धता, स्थानीय औद्योगिक क्षमता और संभावित निवेशकों की रुचि का विवरण देना होगा। प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के आधार पर सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं का चयन किया जाएगा।

2. क्षेत्रानुसार औद्योगिक पार्कों का आकार

देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पार्कों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है—

- **पहाड़ी क्षेत्र, केंद्रशासित प्रदेश एवं पूर्वोत्तर राज्य:** 25 एकड़ तक के छोटे औद्योगिक पार्क।
- **मध्यम आकार के राज्य:** 100 से 500 एकड़ तक के औद्योगिक क्षेत्र।
- **शहरी क्षेत्रों के निकट:** 1000 एकड़ तक के मेगा इंडस्ट्रियल पार्क।

3. 51:49 साझेदारी मॉडल

- इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकारें भूमि उपलब्ध कराएंगी जबकि केंद्र सरकार NICDC के माध्यम से आधारभूत ढाँचे के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। यह व्यवस्था **51:49 साझेदारी मॉडल** पर आधारित होगी।

4. चरणबद्ध क्रियान्वयन

- **1 जून से 31 जुलाई 2026** तक प्राप्त आवेदनों में से प्रथम चरण के **20 औद्योगिक पार्कों** का चयन किया जाएगा।
- **30 सितंबर 2026** तक प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर अतिरिक्त **30 पार्कों** का चयन किया जाएगा।

5. हाई-टेक और नवाचार केंद्र

- औद्योगिक पार्कों में **स्टार्टअप, डीप-टेक कंपनियों, अनुसंधान एवं विकास (R&D) प्रयोगशालाओं तथा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs)** के लिए विशेष क्षेत्र विकसित किए जाएंगे।

6. इन-हाउस गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाएँ

- नियामकीय स्वीकृतियों की प्रक्रिया को तेज करने के लिए पार्कों के भीतर ही आधुनिक परीक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएंगी। इनमें **BIS, EIA तथा FSSAI** जैसे संस्थानों की भागीदारी होगी।

7. वैश्विक निवेशकों के लिए विशेष परिसर

- विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और स्विट्ज़रलैंड जैसे देशों के निवेशकों हेतु विशेष अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक परिसर विकसित किए जा सकते हैं। इनमें आवास, सामाजिक सुविधाएँ और अन्य आवश्यक अवसंरचना भी उपलब्ध होगी।

निष्कर्ष

BHAVYA योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आधुनिक अवसंरचना, प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया, निवेश-अनुकूल वातावरण तथा रोजगार सृजन की संभावनाओं के कारण यह योजना देश के औद्योगिक विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

2. NZP Saathi App: राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में डिजिटल परिवर्तन की नई पहल

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने नई दिल्ली स्थित **राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (National Zoological Park - NZP)** में **NZP Saathi App** का आधिकारिक शुभारंभ किया। इसके साथ ही आधुनिक **सेल्फ-टिकटिंग कियोस्क (Self-Ticketing Kiosks)** का भी उद्घाटन किया गया।

- यह पहल राष्ट्रीय प्राणी उद्यान को एक स्मार्ट, डिजिटल और पर्यटक-अनुकूल वन्यजीव केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

क्या है NZP Saathi App?

- **NZP Saathi App** एक अत्याधुनिक, इंटरैक्टिव डिजिटल गाइड एवं नेविगेशन मोबाइल एप्लिकेशन है। यह पारंपरिक कागजी मानचित्रों की जगह लेकर आगंतुकों को GPS आधारित स्मार्ट मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह ऐप चिड़ियाघर भ्रमण के दौरान एक वर्चुअल साथी (Virtual Companion) की तरह कार्य करता है और आगंतुकों को विभिन्न पशु आवासों एवं सुविधाओं तक पहुंचने में सहायता करता है।
- इस एप्लिकेशन का विकास और संचालन **राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली** के प्रत्यक्ष नियंत्रण में किया गया है।

उद्देश्य

NZP Saathi App का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में व्यापक **डिजिटल परिवर्तन (Digital Transformation)** को बढ़ावा देना है। यह ऐप निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगा—

- आगंतुकों को बेहतर और सरल अनुभव प्रदान करना।
- भीड़भाड़ एवं भ्रम की स्थिति को कम करना।
- वन्यजीव संरक्षण एवं जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।
- आधुनिक तकनीक के माध्यम से चिड़ियाघर भ्रमण को अधिक शैक्षिक एवं आकर्षक बनाना।

ऐप की प्रमुख विशेषताएँ

1. एंड्रॉयड एवं iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध- यह ऐप Android तथा iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर डाउनलोड किया जा सकता है, जिससे अधिकतम उपयोगकर्ताओं तक इसकी पहुंच सुनिश्चित होती है।

2. स्मार्ट नेविगेशन प्रणाली- ऐप में एक अत्यंत विस्तृत और इंटरैक्टिव डिजिटल मानचित्र उपलब्ध है, जो आगंतुकों को वास्तविक समय (Real-Time) में मार्गदर्शन प्रदान करता है। इसके माध्यम से निम्न सुविधाओं का पता लगाया जा सकता है—

- पशु बाड़े (Animal Enclosures)
- पेयजल केंद्र
- शौचालय
- बैटरी चालित बग्गी स्टॉप
- चिकित्सा कक्ष
- आपातकालीन निकास द्वार

3. थीम आधारित भ्रमण विकल्प- विभिन्न प्रकार के आगंतुकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐप में चार विशेष भ्रमण योजनाएँ शामिल की गई हैं—

- **Express Tour-** कम समय वाले आगंतुकों के लिए प्रमुख एवं लोकप्रिय वन्यजीवों का त्वरित भ्रमण मार्ग।
- **Family Tour-** परिवारों एवं बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया आरामदायक और मनोरंजक भ्रमण मार्ग।
- **Grand Zoo Tour-** पूरे चिड़ियाघर के सभी खुले प्रदर्शनों को कवर करने वाला विस्तृत भ्रमण मार्ग।
- **My Tour (Personalised Tour)-** उपयोगकर्ता अपनी पसंद के पशुओं का चयन कर स्वयं का अनुकूलित भ्रमण मार्ग तैयार कर सकते हैं।

4. सेल्फ-टिकटिंग कियोस्क से एकीकरण

यह ऐप नवस्थापित सेल्फ-टिकटिंग कियोस्क के साथ एकीकृत रूप से कार्य करता है।

आगंतुक—

- पार्क के निःशुल्क Wi-Fi नेटवर्क से जुड़ सकते हैं।
- UPI आधारित डिजिटल भुगतान कर सकते हैं।
- कुछ ही मिनटों में ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं।
- नकदरहित (Cashless) एवं तेज टिकटिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

महत्व

- NZP Saathi App भारत में वन्यजीव पर्यटन और डिजिटल प्रशासन के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह न केवल आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाएगा, बल्कि वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण शिक्षा और स्मार्ट पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।

निष्कर्ष

NZP Saathi App राष्ट्रीय प्राणी उद्यान को एक आधुनिक, डिजिटल और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन केंद्र में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। GPS आधारित मार्गदर्शन, थीम आधारित भ्रमण, डिजिटल टिकटिंग और संरक्षण संबंधी जानकारी के माध्यम से यह ऐप भारत के चिड़ियाघरों में डिजिटल नवाचार का नया मानक स्थापित कर सकता है।

3. LPMS: भारत की सीमा प्रबंधन प्रणाली को डिजिटल बनाने की ऐतिहासिक पहल

केंद्रीय गृह मंत्री आज नई दिल्ली में **Land Port Management System (LPMS)** का आधिकारिक शुभारंभ करेंगे। यह अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमाओं (Land Borders) पर व्यापार, परिवहन और सुरक्षा प्रबंधन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

- LPMS के माध्यम से भारत सरकार सीमा चौकियों (Integrated Check Posts - ICPs) को पूरी तरह डिजिटल और स्मार्ट बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन अधिक सुरक्षित, तेज एवं पारदर्शी बन सकेगा।

क्या है LPMS?

- **Land Port Management System (LPMS)** एक केंद्रीकृत (Centralized) इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत के सभी अंतरराष्ट्रीय भूमि बंदरगाहों (Land Ports) की गतिविधियों को डिजिटलीकृत और एकीकृत करने के लिए विकसित किया गया है।
- यह प्रणाली सीमा पार होने वाले व्यापार, माल परिवहन और यात्रियों से संबंधित सूचनाओं का डिजिटल प्रबंधन करती है तथा भूमि बंदरगाहों को उन आधुनिक डिजिटल प्रणालियों के समकक्ष लाने का प्रयास करती है जो वर्तमान में हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों पर संचालित हैं।

विकसित करने वाली संस्था

LPMS की अवधारणा और विकास **भूमि बंदरगाह प्राधिकरण भारत (Land Ports Authority of India - LPAI)** द्वारा किया गया है।

उद्देश्य

LPMS का मुख्य उद्देश्य एक **सुरक्षित, स्मार्ट और कुशल सीमा प्रबंधन प्रणाली** का निर्माण करना है।

यह प्रणाली—

- सीमा पार व्यापार को सुगम बनाएगी।
- माल एवं यात्रियों की आवाजाही को तेज करेगी।
- लॉजिस्टिक लागत को कम करेगी।
- सुरक्षा निगरानी को मजबूत बनाएगी।
- **विकसित भारत 2047 (Viksit Bharat 2047)** के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देगी।

LPMS की प्रमुख विशेषताएँ

1. एकीकृत पंजीकरण प्रणाली (Single Registration Request - SRR)- सभी हितधारकों को केवल एक बार अपनी जानकारी दर्ज करनी होगी। इससे बार-बार दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता समाप्त होगी और डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन आसान बनेगा।

2. पूर्वानुमान आधारित स्लॉट एवं प्रतीक्षा समय प्रबंधन- LPMS वास्तविक समय (Real-Time) क्षमता के आधार पर अग्रिम स्लॉट बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है।

इसके माध्यम से—

- वाहनों की कतार कम होगी।
- प्रतीक्षा समय का पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा।
- लॉजिस्टिक योजना अधिक प्रभावी बनेगी।

3. स्वचालित सुरक्षा एवं प्रवेश-निकास प्रबंधन- सिस्टम डिजिटल रूप से—

- माल ढुलाई विवरण,
- ट्रांसपोर्ट मैनिफेस्ट,
- गेट गतिविधियों का रिकॉर्ड रखता है।

यह **Full Body Truck Scanners** के साथ एकीकृत होकर सीमा सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाता है।

4. बिजनेस इंटेलिजेंस (BI) एनालिटिक्स

LPMS में उन्नत डैशबोर्ड उपलब्ध हैं जो—

- माल की आवाजाही,
- कंटेनर की स्थिति,
- ट्रांजिट प्रदर्शन,

- परिचालन दक्षता से संबंधित वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं।

5. ICEGATE से प्रत्यक्ष कनेक्टिविटी

यह प्रणाली **ICEGATE (Indian Customs Electronic Gateway)** से सीधे जुड़ी हुई है।

इसके माध्यम से—

- Shipping Bill
- Bill of Entry स्वतः जमा किए जा सकते हैं, जिससे सीमा शुल्क (Customs) निकासी प्रक्रिया तेज और त्रुटिरहित बनती है।

6. यार्ड एवं वेयरहाउस प्रबंधन

LPMS में समर्पित यार्ड और गोदाम प्रबंधन मॉड्यूल शामिल हैं जो—

- भंडारण स्थान का बेहतर आवंटन करते हैं।
- भीड़भाड़ कम करते हैं।
- माल प्रबंधन को अधिक कुशल बनाते हैं।

7. सिंगल विंडो डिजिटल भुगतान सुविधा

व्यापारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से—

- सीमा शुल्क (Custom Duty)
- पार्किंग शुल्क
- वेब्रिज शुल्क
- टर्मिनल शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। इससे वित्तीय लेन-देन सरल एवं तेज हो जाते हैं।

महत्व

- LPMS भारत की सीमा प्रबंधन प्रणाली में डिजिटल क्रांति का प्रतीक है। यह न केवल व्यापार सुगमता (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा।
- यह पहल भारत के पड़ोसी देशों के साथ व्यापारिक संपर्क को बेहतर बनाएगी तथा सीमा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी।

निष्कर्ष

Land Port Management System (LPMS) भारत के सीमा प्रबंधन, व्यापार सुगमता और डिजिटल शासन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार है। एकीकृत डेटा प्रबंधन, स्मार्ट लॉजिस्टिक्स, स्वचालित सुरक्षा निगरानी तथा डिजिटल भुगतान सुविधाओं के माध्यम से यह प्रणाली भारत के अंतरराष्ट्रीय भूमि बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

4. वीरता पुरस्कार (Gallantry Awards): राष्ट्र की बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान का सम्मान

राष्ट्रपति Droupadi Murmu ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह (Defence Investiture Ceremony) के प्रथम चरण के दौरान **51 वीरता पुरस्कार (Gallantry Awards)** प्रदान किए। इन पुरस्कारों के माध्यम से सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों तथा राज्य पुलिस बलों के उन वीर जवानों को सम्मानित किया गया जिन्होंने कर्तव्य पालन के दौरान असाधारण साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान का परिचय दिया।

- इस अवसर पर भारत के प्रथम मानव अंतरिक्ष मिशन **Gaganyaan Mission** के लिए चयनित चार गगनयात्रियों (Gagannauts) में से एक तथा भारतीय वायुसेना के अधिकारी **Air Commodore Prasanth Balakrishnan Nair** को भी **कीर्ति चक्र (Kirti Chakra)** से सम्मानित किया गया।

क्या हैं वीरता पुरस्कार?

- **Gallantry Awards** भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च वीरता अलंकरण हैं। इनका उद्देश्य सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) तथा राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस सेवाओं के उन कर्मियों को सम्मानित करना है जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और अखंडता की रक्षा हेतु असाधारण साहस और बलिदान का परिचय दिया हो।

इतिहास

युद्धकालीन वीरता पुरस्कार (1950)

26 जनवरी 1950 को तीन प्रमुख युद्धकालीन वीरता पुरस्कार स्थापित किए गए—

1. **परम वीर चक्र (Param Vir Chakra)**
2. **महावीर चक्र (Maha Vir Chakra)**
3. **वीर चक्र (Vir Chakra)**

इन पुरस्कारों को 15 अगस्त 1947 से प्रभावी माना गया।

शांतिकालीन वीरता पुरस्कार (1952)

4 जनवरी 1952 को तीन अन्य वीरता पुरस्कार प्रारंभ किए गए—

- अशोक चक्र श्रेणी-I
- अशोक चक्र श्रेणी-II
- अशोक चक्र श्रेणी-III

बाद में जनवरी 1967 में इनके नाम परिवर्तित कर दिए गए—

- **अशोक चक्र (Ashoka Chakra)**
- **कीर्ति चक्र (Kirti Chakra)**
- **शौर्य चक्र (Shaurya Chakra)**

पुरस्कारों की घोषणा

वीरता पुरस्कारों की घोषणा वर्ष में दो बार की जाती है—

- **गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)**
- **स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)**

2026 रक्षा अलंकरण समारोह (Phase-I)

जून 2026 में आयोजित समारोह में कुल **51 वीरता पदक** प्रदान किए गए।

पुरस्कार वितरण

- **कीर्ति चक्र (Kirti Chakra) – 07 :** 05 जीवित कर्मियों को, 02 मरणोपरांत
- **वीर चक्र (Vir Chakra) – 15 :** 12 जीवित कर्मियों को, 03 मरणोपरांत
- **शौर्य चक्र (Shaurya Chakra) – 29 :** 28 जीवित कर्मियों को, 01 मरणोपरांत

यह आँकड़े देश की सुरक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान और साहस को दर्शाते हैं।

प्रमुख वीरता पुरस्कारों की विशेषताएँ

1. परम वीर चक्र (PVC) : भारत का सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार।

- **डिजाइन:** कांस्य (Bronze) का गोलाकार पदक। अग्र भाग पर राष्ट्रीय प्रतीक के चारों ओर भगवान इन्द्र के वज्र की चार प्रतिकृतियाँ अंकित होती हैं।
- **पिछला भाग:** हिंदी एवं अंग्रेजी में "Param Vir Chakra" अंकित। दोनों भाषाओं के बीच कमल के दो पुष्प।

2. अशोक चक्र (Ashoka Chakra) : भारत का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार।

डिजाइन:

- स्वर्णाभ (Gold-Gilt) गोलाकार पदक।
- मध्य में अशोक चक्र की आकृति।
- बाहरी भाग पर कमल पत्तियों की सजावटी सीमा।

3. महावीर चक्र (Maha Vir Chakra) : दूसरा सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार।

डिजाइन:

- चांदी (Silver) का पदक।
- पाँच नुकीले तारे (Five-Pointed Star) का प्रतीक।
- केंद्र में स्वर्णिम राष्ट्रीय प्रतीक।

4. कीर्ति चक्र (Kirti Chakra) : दूसरा सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार।

डिजाइन:

- चांदी का गोलाकार पदक।
- केंद्र में अशोक चक्र की प्रतिकृति।
- हरे रंग का रिबन, जिसमें तीन केसरिया धारियाँ होती हैं।

5. वीर चक्र (Vir Chakra): तीसरा सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार।

डिजाइन:

- चांदी का गोलाकार पदक।
- पाँच नुकीले तारे के मध्य राष्ट्रीय प्रतीक युक्त चक्र।

6. शौर्य चक्र (Shaurya Chakra): तीसरा सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार।

डिजाइन:

- कांस्य का गोलाकार पदक।
- भूरे रंग का रिबन, जिसमें तीन लंबवत धारियाँ होती हैं।

महत्व

वीरता पुरस्कार केवल सैन्य सम्मान नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्र के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान की भावना के प्रतीक हैं। ये पुरस्कार सैनिकों और सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ नागरिकों को देशभक्ति और सेवा की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष

Gallantry Awards भारत के वीर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान हैं। ये पुरस्कार उन नायकों की गौरवगाथा को अमर बनाते हैं जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान के लिए अपने प्राणों की आहुति देने तक का साहस दिखाया।

5. बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 (Bonn Climate Conference 2026): जलवायु कार्रवाई को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

जर्मनी के बॉन शहर में आयोजित **बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 (Bonn Climate Conference 2026)** में जलवायु परिवर्तन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। सम्मेलन के दौरान **Global Climate and Health Alliance (GCHA)** के नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं जलवायु क्षेत्र से जुड़े संगठनों ने विकसित देशों से वर्ष 2035 तक अनुकूलन (Adaptation) हेतु सार्वजनिक वित्तपोषण को बढ़ाकर **120 अरब डॉलर प्रतिवर्ष** करने की मांग की।

- यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (**UNFCCC**) के अंतर्गत आयोजित वार्षिक मध्यावधि (Mid-Year) जलवायु वार्ता का हिस्सा है।

क्या है बॉन जलवायु सम्मेलन?

- बॉन जलवायु सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय **United Nations Framework Convention on Climate Change** के तहत आयोजित होने वाली वार्षिक तकनीकी जलवायु वार्ताओं का मंच है।
- इसे आधिकारिक रूप से **64वें सहायक निकायों के सत्र (64th Sessions of the Subsidiary Bodies – SB64)** के नाम से जाना जाता है।
- यह सम्मेलन प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले **COP (Conference of Parties)** शिखर सम्मेलन से पहले एक तैयारी और तकनीकी वार्ता मंच के रूप में कार्य करता है।
- वर्ष 2026 का सम्मेलन **Bonn** में आयोजित किया गया।

उद्देश्य

बॉन जलवायु सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य—

- **Paris Agreement** के तहत किए गए वादों के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाना।
- जलवायु अनुकूलन (Adaptation), शमन (Mitigation), जलवायु वित्त (Climate Finance), क्षति एवं हानि (Loss and Damage) तथा न्यायपूर्ण संक्रमण (Just Transition) से जुड़े मुद्दों पर वार्ता करना।
- आगामी COP सम्मेलन के लिए तकनीकी आधार तैयार करना।
- वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु देशों के बीच सहयोग बढ़ाना।

सम्मेलन के प्रमुख मुद्दे एवं चर्चाएँ

1. अनुकूलन वित्त (Adaptation Finance) बढ़ाने की मांग

- स्वास्थ्य एवं जलवायु संगठनों ने विकसित देशों से आग्रह किया कि वे जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देशों की सहायता के लिए सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को बढ़ाकर **120 अरब डॉलर प्रतिवर्ष (2035 तक)** करें। यह मांग COP26 के दौरान निर्धारित **40 अरब डॉलर प्रतिवर्ष** के लक्ष्य से तीन गुना अधिक है।

2. जीवाश्म ईंधन से संक्रमण (Fossil Fuel Transition)

सम्मेलन में विकसित देशों से अपने-अपने राष्ट्रीय रोडमैप प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया ताकि वे चरणबद्ध तरीके से—

- कोयला,
- तेल,
- प्राकृतिक गैस

जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सकें। चर्चाओं में वैश्विक तापमान वृद्धि को **1.5°C** तक सीमित रखने के लक्ष्य पर विशेष बल दिया गया।

3. बेलेंम अनुकूलन संकेतक (Belém Adaptation Indicators)

- COP30 में स्वीकृत **59 Belém Adaptation Indicators** को लागू करने के लिए तकनीकी स्तर पर चर्चा प्रारंभ की गई।
- इन संकेतकों का उद्देश्य यह आकलन करना है कि विभिन्न देश जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति कितने अनुकूलनशील (Climate Resilient) बन रहे हैं।

4. कृषि एवं खाद्य सुरक्षा

सम्मेलन में **Sharm el-Sheikh Joint Work on Agriculture and Food Security** के अंतर्गत कृषि क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से सुरक्षित बनाने पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य उद्देश्य—

- जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देना।
- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- किसानों की अनुकूलन क्षमता को मजबूत बनाना।

5. जस्ट ट्रांजिशन मैकेनिज्म (Just Transition Mechanism)

COP30 में सहमति से स्थापित **Just Transition Mechanism** को लागू करने पर भी चर्चा हुई।

इसका उद्देश्य—

- विकासशील देशों की क्षमता निर्माण (Capacity Building) में सहायता करना।
- तकनीकी सहयोग बढ़ाना।
- हरित अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण के दौरान रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सम्मेलन का महत्व

1. COP सम्मेलनों के बीच प्रमुख तकनीकी मंच- बॉन सम्मेलन राजनीतिक घोषणाओं को व्यावहारिक एवं क्रियान्वयन योग्य योजनाओं में बदलने का कार्य करता है।

2. विकासशील देशों को समर्थन- यह सम्मेलन उन देशों के लिए महत्वपूर्ण है जो—

- जलवायु आपदाओं,
- स्वास्थ्य जोखिमों,
- खाद्य असुरक्षा, जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

3. जलवायु वित्त पर वैश्विक सहमति

यह मंच अनुकूलन वित्त, क्षति एवं हानि कोष (Loss and Damage Fund) तथा हरित निवेश से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक सहमति विकसित करने में मदद करता है।

4. पेरिस समझौते के लक्ष्यों की दिशा में प्रगति

सम्मेलन वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने तथा नेट-जीरो लक्ष्यों की दिशा में देशों की प्रगति की समीक्षा करता है।

निष्कर्ष

बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 वैश्विक जलवायु शासन की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह सम्मेलन जलवायु वित्त, जीवाश्म ईंधन से संक्रमण, खाद्य सुरक्षा और न्यायपूर्ण हरित विकास जैसे विषयों पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करता है। विशेष रूप से विकासशील और जलवायु-संवेदनशील देशों के लिए यह मंच जलवायु न्याय एवं सतत विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Current Affairs Based Daily UPSC Prelims Quiz

Q1. BHAVYA योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. BHAVYA का पूरा नाम Bharat Audyogik Vikas Yojana है और इसका कुल परिव्यय ₹33,660 करोड़ है।
2. इस योजना का Nodal Execution Body National Industrial Corridor Development Corporation (NICDC) है।
3. पहाड़ी क्षेत्रों, UTs और Northeast के लिए 50 एकड़ तक के औद्योगिक पार्क का प्रावधान है।
4. इस योजना में State Governments भूमि प्रदान करेंगी जबकि Central Government 51:49 partnership model में infrastructure fund करेगी।

उपर्युक्त कथनों में से कितने **सही** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: कथन 1 सही है — BHAVYA = Bharat Audyogik Vikas Yojana, ₹33,660 करोड़। कथन 2 सही है — NICDC nodal execution body। कथन 3 गलत है — पहाड़ी क्षेत्रों, UTs और Northeast के लिए **25 एकड़** के छोटे parks का प्रावधान है, 50 एकड़ नहीं। Classic number twist। कथन 4 सही है — 51:49 partnership model।

Q2. BHAVYA Portal के चरणबद्ध क्रियान्वयन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 1 जून से 31 जुलाई 2026 तक प्राप्त applications में से पहले 20 parks का चयन होगा।
2. 30 सितंबर 2026 तक प्राप्त proposals के आधार पर अतिरिक्त 50 parks का चयन होगा।
3. Urban Peripheries के निकट mega-parks 1,000 एकड़ तक के हो सकते हैं।
4. Parks में BIS, EIA और FSSAI की भागीदारी से in-house quality testing labs होंगी।

कितने कथन **सही** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: कथन 1 सही है — June 1 to July 31, पहले 20 parks। कथन 2 गलत है — 30 सितंबर 2026 तक के proposals से अतिरिक्त **30 parks** का चयन होगा, 50 नहीं। कथन 3 सही है — Urban Peripheries में 1,000 एकड़ तक के mega-parks। कथन 4 सही है — BIS, EIA और FSSAI partnership।

Q3. NZP Saathi App के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह App GPS आधारित navigation प्रदान करता है और केवल Android platform पर उपलब्ध है।
2. App में Express Tour, Family Tour, Grand Zoo Tour और My Tour (Personalised) — चार थीम आधारित भ्रमण विकल्प हैं।
3. यह App सेल्फ-टिकटिंग कियोस्क के साथ एकीकृत है और UPI आधारित डिजिटल भुगतान की सुविधा देता है।

4. NZP Saathi App का विकास पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत National Zoological Park, नई दिल्ली द्वारा किया गया है।

कितने कथन **सही** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: कथन 1 गलत है — NZP Saathi App **Android और iOS दोनों** platforms पर उपलब्ध है, केवल Android पर नहीं। कथन 2 सही है — चारों थीम tours सही हैं। कथन 3 सही है — Self-Ticketing Kiosk integration और UPI payment। कथन 4 सही है — MoEFCC के अंतर्गत NZP नई दिल्ली द्वारा विकसित।

Q4. LPMS — Land Port Management System

LPMS के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

विशेषता	**विवरण**
1. विकसित करने वाली संस्था	Land Ports Authority of India (LPAI)
2. ICEGATE से connectivity	Shipping Bill और Bill of Entry स्वतः submit
3. Payment facility	Custom Duty, Parking, Wbridge और Terminal charges एक platform पर
4. संबंधित मंत्रालय	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

कितने युग्म **सही सुमेलित** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: युग्म 1 सही है — LPAI ने LPMS विकसित किया। युग्म 2 सही है — ICEGATE से direct connectivity, Shipping Bill और Bill of Entry auto-submit। युग्म 3 सही है — Single window digital payment। युग्म 4 गलत है — LPMS का संबंध **गृह मंत्रालय** से है — वाणिज्य मंत्रालय से नहीं। केंद्रीय **गृह मंत्री** ने इसे launch किया। Ministry confusion twist।

Q5. भारत के वीरता पुरस्कारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. परम वीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र — तीनों युद्धकालीन वीरता पुरस्कार 26 जनवरी 1950 को स्थापित किए गए।
2. शांतिकालीन वीरता पुरस्कार — अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र — मूल रूप से 4 जनवरी 1952 को स्थापित किए गए।
3. शांतिकालीन वीरता पुरस्कारों के नाम जनवरी 1967 में परिवर्तित किए गए।
4. वीरता पुरस्कारों की घोषणा वर्ष में केवल एक बार गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर की जाती है।

कितने कथन **सही** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: कथन 1 सही है — तीनों युद्धकालीन पुरस्कार 26 जनवरी 1950 को स्थापित, 15 अगस्त 1947 से प्रभावी। कथन 2 सही है — 4 जनवरी 1952 को तीन शांतिकालीन पुरस्कार। कथन 3 सही है — जनवरी 1967 में नाम बदले। कथन 4 गलत है — वीरता पुरस्कारों की घोषणा **वर्ष में दो बार** होती है — **गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) और स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)**। "केवल एक बार" गलत है।

Q6. जून 2026 के रक्षा अलंकरण समारोह (Phase-I) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति Droupadi Murmu ने कुल 51 वीरता पुरस्कार प्रदान किए।
2. Air Commodore Prasanth Balakrishnan Nair को परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया।
3. इस समारोह में 7 कीर्ति चक्र, 15 वीर चक्र और 29 शौर्य चक्र प्रदान किए गए।
4. Air Commodore Prasanth Balakrishnan Nair Gaganyaan Mission के लिए चयनित चार गगनयात्रियों में से एक हैं।

कितने कथन **सही** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: कथन 1 सही है — कुल 51 वीरता पुरस्कार। कथन 2 गलत है — Air Commodore Prasanth Balakrishnan Nair को **कीर्ति चक्र** से सम्मानित किया गया, परम वीर चक्र से नहीं। Award category twist। कथन 3 सही है — 7 कीर्ति चक्र, 15 वीर चक्र, 29 शौर्य चक्र। कथन 4 सही है — Gaganyaan Mission के चार गगनयात्रियों में से एक।

Q7. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

पुरस्कार	**धातु / डिज़ाइन**
1. परम वीर चक्र	कांस्य (Bronze) — इंद्र के वज्र की चार प्रतिकृतियाँ
2. अशोक चक्र	स्वर्णाभ (Gold-Gilt) — मध्य में अशोक चक्र
3. महावीर चक्र	चांदी (Silver) — पाँच नुकीले तारे
4. शौर्य चक्र	चांदी (Silver) — भूरे रंग का ribbon

कितने युग्म **सही सुमेलित** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: युग्म 1 सही है — PVC: Bronze, इंद्र के वज्र की 4 प्रतिकृतियाँ। युग्म 2 सही है — अशोक चक्र: Gold-Gilt, केंद्र में अशोक चक्र। युग्म 3 सही है — महावीर चक्र: Silver, 5-pointed star। युग्म 4 गलत है — शौर्य चक्र **कांस्य (Bronze)** का पदक है, चांदी का नहीं। Metal twist।

Q8. बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह UNFCCC के अंतर्गत आयोजित वार्षिक मध्यावधि जलवायु वार्ता है।
2. इसे आधिकारिक रूप से 64वें सहायक निकायों के सत्र (SB64) के रूप में जाना जाता है।
3. GCHA ने विकसित देशों से 2035 तक adaptation के लिए सार्वजनिक वित्तपोषण को $120 billion प्रतिवर्ष करने की मांग की।
4. यह मांग COP26 के दौरान निर्धारित $40 billion के लक्ष्य से दोगुनी है।

कितने कथन **सही** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: कथन 1 सही है — UNFCCC के तहत annual mid-year climate talks। कथन 2 सही है — SB64 (64th Sessions of Subsidiary Bodies)। कथन 3 सही है — GCHA की मांग $120 billion/year by 2035। कथन 4 गलत है — $120 billion, COP26 के $40 billion लक्ष्य का **तीन गुना** है, दोगुना नहीं। Multiplier number twist।

Q9. बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 में चर्चा के प्रमुख मुद्दों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

मुद्दा	विवरण
1. Belém Adaptation Indicators	COP30 में स्वीकृत 59 indicators का technical implementation
2. Just Transition Mechanism	Developing countries की capacity building और हरित रोजगार
3. Sharm el-Sheikh Joint Work	कृषि एवं खाद्य सुरक्षा को जलवायु परिवर्तन से सुरक्षित करना
4. Paris Agreement target	वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C तक सीमित रखना

कितने युग्म **सही सुमेलित** हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या: युग्म 1 सही है — COP30 में 59 Belém Adaptation Indicators। युग्म 2 सही है — Just Transition: capacity building, tech cooperation, green jobs। युग्म 3 सही है — Sharm el-Sheikh Joint Work: कृषि और food security। युग्म 4 गलत है — Bonn और Paris Agreement में temperature target **1.5°C** है, 2°C नहीं। Target number twist।

Q10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **BHAVYA:** States को Challenge-Based Selection Model के तहत DPR submit करके औद्योगिक पार्कों के लिए compete करना होगा।
2. **NZP Saathi App:** App में Grand Zoo Tour सभी खुले प्रदर्शनों को cover करता है जबकि My Tour personalised है।
3. **LPMS:** LPMS का उद्देश्य भूमि बंदरगाहों को airports और seaports के समकक्ष digital standard पर लाना है।
4. **Gallantry Awards:** कीर्ति चक्र भारत का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है।

5. **Bonn Conference:** यह सम्मेलन COP शिखर सम्मेलन से पहले तकनीकी वार्ता मंच के रूप में कार्य करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने **सही** हैं?

(a) केवल दो

(b) केवल तीन

(c) केवल चार

(d) सभी पांच

उत्तर: (c) केवल चार

व्याख्या: कथन 1 सही है — Challenge-Based Selection, DPR submission। कथन 2 सही है — Grand Zoo Tour और My Tour दोनों सही। कथन 3 सही है — भूमि बंदरगाहों को airports और seaports के digital standard पर लाना। कथन 4 गलत है — **अशोक चक्र** भारत का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है। **कीर्ति चक्र दूसरा** सर्वोच्च शांतिकालीन पुरस्कार है। Rank confusion twist। कथन 5 सही है — Bonn = COP से पहले तकनीकी वार्ता मंच।

आज के 5 Topics पर UPSC Mains के संभावित प्रश्न

Mains Q1 (15 अंक | 250 शब्द)

प्रश्न: "BHAVYA योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में एक structural intervention है।" Challenge-Based Selection Model और 51:49 partnership framework के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।

मॉडल संरचना:

भूमिका: China+1 strategy के तहत वैश्विक कंपनियां विकल्प खोज रही हैं। India को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए plug-and-play industrial infrastructure की तत्काल आवश्यकता है।

BHAVYA की structural intervention:

- *Challenge-Based Selection:* States को DPR submit करके compete करना होगा। यह cooperative federalism को competitive federalism में बदलता है। Accountability और quality सुनिश्चित होती है। States को अपनी industrial strengths showcase करने का incentive मिलता है।
- *51:49 Partnership:* State = land। Centre = infrastructure funding (NICDC)। Fiscal responsibility साझा। State ownership → better maintenance। Moral hazard कम।
- *Tiered Park Sizes:* 25 acres (पहाड़ी/UTs) से 1,000 acres (Urban) तक। Regional terrain के अनुरूप — one size fits all नहीं।
- *High-Tech Enclaves:* GCCs, startups, R&D labs — केवल manufacturing नहीं बल्कि innovation hub भी।

चुनौतियां: Land acquisition की legacy problems। Environmental clearances। State capacity की variability। Global expatriate infrastructure = long gestation।

निष्कर्ष: BHAVYA एक holistic framework है — लेकिन execution quality ही इसकी सफलता तय करेगी।

Mains Q2 (10 अंक | 150 शब्द)

प्रश्न: भारत में plug-and-play industrial infrastructure की आवश्यकता क्यों है? BHAVYA योजना इस आवश्यकता को किस प्रकार पूरा करती है?

मॉडल संरचना:

- **Plug-and-Play की आवश्यकता:** पारंपरिक industrial setup में — भूमि अधिग्रहण (वर्षों), environmental clearances, utility connections, quality testing — सब अलग-अलग। Investor experience खराब। Ease of Doing Business में India पीछे रहा।
- **BHAVYA का समाधान:** Pre-cleared land। In-house BIS, EIA, FSSAI labs। NICDC-funded infrastructure। Single digital portal (BHAVYA Portal)। GCC और startup spaces integrated।
- **Global context:** Vietnam, Bangladesh, Thailand को भारत से competition। Plug-and-play = time-to-market कम करना।
- **निष्कर्ष:** BHAVYA India की manufacturing competitiveness की सबसे बड़ी structural bottleneck को address करती है।

Mains Q3 (15 अंक | 250 शब्द)

प्रश्न: "Cooperative Federalism और Competitive Federalism दोनों को एक साथ साधना BHAVYA जैसी योजनाओं की सफलता की कुंजी है।" इस कथन का परीक्षण कीजिए।

मॉडल संरचना:

- **Cooperative Federalism:** Centre-State partnership — 51:49 model। Central funding + State land। NICDC = national level coordination। One national portal = uniform standards।
- **Competitive Federalism:** Challenge-based selection। States DPR submit करके compete करती हैं। Best projects को selection। States को business-friendly environment बनाने का incentive।
- **दोनों का balance क्यों जरूरी:** केवल cooperative = States की accountability कम, fund misuse का खतरा। केवल competitive = कमजोर states always lose, regional imbalance।
- **BHAVYA का balance:** Tiered park sizes = कमजोर regions (Northeast, UTs) को 25-acre option। Urban peripheries को 1,000-acre mega option। Challenge model = efficiency। Central funding = equity।
- **Historical parallels:** Smart Cities Mission में similar model — mixed results। DMIC (Delhi-Mumbai Industrial Corridor) में lessons।
- **चुनौतियां:** Weak states की DPR quality। Central-state coordination gaps। Land dispute legacy।
- **निष्कर्ष:** BHAVYA का framework theoretically sound है — implementation में federalism की दोनों spirits को जीवित रखना होगा।

Mains Q4 (10 अंक | 150 शब्द)

प्रश्न: डिजिटल प्रौद्योगिकी वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा में किस प्रकार योगदान दे सकती है? NZP Saathi App के उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।

मॉडल संरचना:

- **वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल Technology:** Public awareness → conservation support। Informed visitors → better behavior। Digital monitoring → crowd management → animal stress कम।
- **NZP Saathi App का योगदान:**

- *Education:* Animals की detailed information। Conservation status बताना। Visitors को species के बारे में educate करना।
- *Visitor Management:* GPS navigation से crowd distribute होगी। Specific enclosures पर rush कम। Animals को disturbance कम।
- *Theme Tours:* Family Tour — बच्चों के लिए educational। Express Tour — focused learning।
- **व्यापक संदर्भ:** National Action Plan for Cheetah Reintroduction में digital monitoring। Tiger reserve management में camera traps।
- **निष्कर्ष:** Digital tools conservation को democratize करते हैं — awareness से advocacy तक।

Mains Q5 (15 अंक | 250 शब्द)

प्रश्न: भारत के भूमि बंदरगाहों की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों की विवेचना करते हुए बताइए कि Land Port Management System (LPMS) इन चुनौतियों को किस प्रकार संबोधित करता है।

मॉडल संरचना:

- **भूमि बंदरगाहों की वर्तमान स्थिति:** India के 7 पड़ोसी देशों के साथ स्थलीय सीमाएं। Bangladesh, Nepal, Bhutan, Myanmar के साथ significant trade। Petrapole (India's largest land port), Attari-Wagah, Moreh, Raxaul जैसे ports। Manual processes, long queues, corruption की शिकायतें।
- **चुनौतियां:** कागजी कार्रवाई → delays। No real-time tracking। Security vulnerabilities। Multiple payments → multiple counters। Yard management inefficient। Airport और seaport से comparison में far behind।
- **LPMS का समाधान:**
- *Single Registration (SRR):* एक बार data entry, बार-बार नहीं।
- *Slot Management:* Pre-booking → queues कम → predictable wait times।
- *ICEGATE Integration:* Customs clearance automatic → human interface कम → corruption कम।
- *Full Body Truck Scanners:* Security automatic → manual checking कम।
- *Business Intelligence:* Real-time dashboard → policy decisions better।
- *Single Window Payment:* Customs, parking, terminal charges एक platform।
- **Viksit Bharat 2047 connection:** Trade facilitation = economic growth। Neighbour-first policy को infrastructure support। Act East Policy को boost।
- **निष्कर्ष:** LPMS केवल digitization नहीं — यह India की trade facilitation और border security दोनों की एक साथ upgrade है।